Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

कौशल पहलें और साझेदारी हमारी जनता को 21वीं सदी के जॉब बाजारों के लिए तैयार करेगी: धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली, 15 मार्च, 2024: भारत के कौशल प्रयासों और अधिक वृद्धि करते हुए, भारत सरकार के माननीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने देश के कौशल इकोसिस्टम में गुणवत्ता और गति लाने के लिए अनेक कार्यनीतिक साझेदारियों की घोषणा की। प्रमुख घोषणाओं में उद्योग भागीदारों, शिक्षाविदों और सरकारी विभागों के साथ कार्यनीतिक सहयोग, भुवनेश्वर में कौशल विकास संस्थान (एसडीआई) में मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में दो उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) का उद्घाटन, निमी द्वारा मॉक टेस्ट एप्लिकेशन 2.0 का शुभारंभ एवं आईटीआई और एनएसटीआई उम्मीदवारों के लिए चार आधुनिक पाठ्यक्रमों की शुरुआत शामिल हैं। इसका उद्देश्य उद्योग की आवश्यकताओं और कौशल विकास पहलों के बीच अंतराल को कम करके, यह सुनिश्चित करना है कि भारत का युवा कार्यबल प्रतिस्पर्धी बना रहे और नवोदित रुझानों के अनुकूल हो।

डॉ. निर्मलजीत सिंह कलसी, अध्यक्ष एनसीवीईटी; श्री. अतुल कुमार तिवारी, सचिव, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई); श्री. संजीव चोपड़ा, सचिव, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग, श्रीमती त्रिशलजीत सेठी, महानिदेशक, डीजीटी-एमएसडीई, श्रीमती सोनल मिश्रा, संयुक्त सचिव, एमएसडीई, श्रीमती हेना उस्मान, संयुक्त सचिव, एमएसडीई और श्री वेद मणि तिवारी, सीईओ एनएसडीसी और एमडी, एनएसडीसी इंटरनेशनल भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

एमएसडीई ने अपने विभिन्न विभागों के साथ 19 समझौता ज्ञापनों-एक प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) के अगुआई में, राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निस्बड) द्वारा 3 समझौता ज्ञापनों पर, 5 प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के तहत, एक पीएम विश्वकर्मा के तहत और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के माध्यम से 9 समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। निजी क्षेत्र और संघी मंत्रालयस्तरीय विभागों के साथ ये सहयोग भारत को 'कुशल भारत, विकसित भारत' में परिवर्तित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, जहां युवा न केवल घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों की मांगों की पूर्ति के लिए तैयार होंगे बल्कि वैश्विक स्तर पर नेतृत्व और नवाचार भी करेंगे।

जिन सरकारी संगठनों, उद्योग जगत के व्यवसायियों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, उनमें उत्तर-पूर्वी हस्तशिल्प और हथकरघा विकास निगम (एनईएचएचडीसी), एयर इंडिया एसएटीएस एयरपोर्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, रत्न और आभूषण संवर्धन निर्यात परिषद, दिव्य योग मंदिर ट्रस्ट, उत्तर-पूर्व क्षेत्रीय कृषि विपणन सहयोग (एनईआरएएमएसी), आईआईटी मंडी आईहब, नॉर्थ-ईस्ट सेंटर फॉर टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन एंड रीच (एनईसीटीएआर), टैक्ट ग्रुप, मेरिल लाइफ साइंस प्राइवेट लिमिटेड, आईआईटी आईएसएम धनबाद, श्री श्री यूनिवर्सिटी, कोडिंग प्रो टेक्नोलॉजीज, शोभित विश्वविद्यालय, मेरठ, संस्कृति विश्वविद्यालय, मथुरा, सिल्वर ओक विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गलगोटिया विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, निस्बड ने स्व-रोज़गार के अवसरों को बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न लक्ष्य समूहों के बीच उद्यमशीलता कौशल के निरंतर विकास के लिए श्रम और रोजगार मंत्रालय (एमओएलई), खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग और हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद के साथ सहयोग किया। इसके अतिरिक्त, डीजीटी ने फ्यूचर राइट स्किल्स नेटवर्क (एफआरएसएन) के साथ अपनी साझेदारी को नवीकृत किया, जिसे अन्य साझेदार एक्सेंचर, सिस्को, जेपी मॉर्गन और एसएपी के सहयोग से क्वेस्ट एलायंस द्वारा सुविधा प्रदान की गई।

कौशलीकरण, पुनर्कौशलीकरण और कौशलोन्नयन कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए भविष्य के संसाधन तैयार करने के लिए एक साथ आने के लिए सभी हितधारकों को बधाई देते हुए, **श्री धर्मेंद्र प्रधान माननीय केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री ने कहा**, "ये कौशल पहलें और साझेदारियां हमारी जनता को 21वीं सदी के नौकरी बाजारों के लिए तैयार करेंगी, उन्हें नवप्रवर्तकों और उद्यमियों के रूप में विकसित होने में सहायता करेंगी और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में भी योगदान देंगी। इस बीच, दोनों सीओई युवाओं को उद्योग-तैयार कौशल युक्त करेंगे, उन्हें रोजगार योग्य बनाएंगे, आजीविका बढ़ाएंगे और उद्यमशील उम्मीदवारों को उद्यमी बनने में सक्षम बनाएंगे।

कार्यक्रम के दौरान, मंत्री ने कृत्रिम मेधा और साइबर सुरक्षा में शिल्पकार प्रशिक्षण स्कीम (सीटीएस) के तहत 12 भाषाओं में एनआईएमआई द्वारा मॉक टेस्ट 2.0 और चार आधुनिक पाठ्यक्रमों का भी शुभारंभ किया, जो भारत के युवाओं को प्रौद्योगिकी-संचालित बाजार के लिए तैयार करेंगे।

इस कार्यक्रम में मीडिया और मनोरंजन और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भारत के युवा जन-समुदाय की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए भुवनेश्वर के एसडीआई में दो सीओई- मीडिया और एचवीएसी (हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग) का शुभारंभ हुआ। केंद्र, ऐप्पलस्टूडियो वर्कस्टेशन, डिजिटल कैमरा और नवीनतम एचपी वर्कस्टेशन जैसी आधुनिक तकनीकों का लाभ उठाकर, ग्राफिक डिजाइन, सोशल मीडिया मैनेजर, डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर, वीडियो एडिटिंग और डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर जैसे पाठ्यक्रमों में अत्याधुनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करेंगे। ये पाठ्यक्रम ओडिशा में इस क्षेत्र को महत्वाकांक्षी बनाने के लिए मीडिया और मनोरंजन उद्योग के व्यापक शोध और बाजार आकलन के आधार पर सावधानीपूर्वक तैयार किए गए हैं।

प्रतिनिधियों ने यूएसएआईडी के सहयोग से स्किल काउंसिल फॉर ग्रीन जॉब्स द्वारा ग्रीन हाइड्रोजन पर कौशल अंतराल आकलन रिपोर्ट भी जारी की। यह रिपोर्ट इस क्षेत्र की उभरती मांगों को पूरा करने के लिए तदनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रमों और व्यावहारिक सिफारिशों का प्रस्ताव देकर भारत के हरित हाइड्रोजन उद्योग में कुशल कार्यबल के लिए पाइपलाइन तैयार करने में व्यापक मार्गदर्शिका के रूप में काम करेगी।

उभरते नौकरी परिदृश्य के अनुसार अनुकूलन के महत्व को पहचानते हुए, एमएसडीई सक्रिय रूप से आधुनिक ट्रेडों की शुरुआत कर रहा है, आधुनिक प्रौद्योगिकियों के लिए समर्पित आईटीआई की स्थापना कर रहा है और पीएम मुद्रा योजना जैसी पहल के माध्यम से उद्यमशीलता सहायता प्रदान कर रहा है। इसके अतिरिक्त, स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच) का शुभारंभ समावेशी कौशल के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने, व्यक्तिगत सीखने के अवसर प्रदान करने और कौशल विकास कार्यक्रमों तक पहुंच बढ़ाने के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।